



रेल कैरली

विश्व पर्यावरण दिवस – प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान



विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र द्वारा 5 जून 1972 को पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने और इसके लिए कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए की गई थी। इस साल के पर्यावरण दिवस का संदेश है 'बीट प्लास्टिक पोल्यूशन'। दुनिया प्लास्टिक की चपेट में है। दुनिया भर में हर साल 400 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से आधा एकल उपयोग के लिए बनाया गया है। इसमें से 10 प्रतिशत से भी कम का रिसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) किया जाता है।

इसलिए, प्लास्टिक पृथ्वी के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बन गया है। इस वर्ष पर्यावरण दिवस प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान खोजने के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। माउंट एवरेस्ट पर प्लास्टिक कचरा और माइक्रोप्लास्टिक भी पाए गए हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स या प्लास्टिक के मलबे के तले धरती दबी जा रही है और माइक्रोप्लास्टिक्स से दूषित भोजन और पानी का सेवन हमारी रक्तधाराओं को भी दूषित कर रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि माँ के दूध में भी प्लास्टिक प्रवेश कर चुका है।

प्लास्टिक के रासायनिक योजक अंतःस्त्रावी व्यवधान, प्रजनन संबंधी समस्याएं, मधुमेह, मोटापा, ऑस्थमा, न्यूरोडेवलपमेंटल बीमारी और विभिन्न कैंसर आदि के लिए कारण बन सकते हैं। वे समय के साथ हमारे अंगों, विशेष रूप से फेफड़े, लीवर, गुर्दे और प्लीहा में जमा हो जाते हैं।

आज हमारी पृथ्वी ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, विलुप्त होने के खतरे, प्रदूषण आदि जैसी कई पर्यावरणीय समस्याओं से गुजर रही हैं। अगर हमने इसका समाधान नहीं निकाला तो हमारी आने वाली पीढ़ी को बहुत कुछ खोना पड़ेगा। पर्यावरण दिवस सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हम हर साल 5 जून को पौधे लगाते हैं। लेकिन इस बात को महत्व दिया जाना चाहिए कि उसमें से कितने पेड़ बने और बढ़ रहे हैं। केवल एक पेड़ लगाना ही काफी नहीं है बल्कि हमें उसे बढ़ाने का भी प्रयास करना चाहिए।

**“ पृथ्वी, सभी व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है
किन्तु उनके लालच की पूर्ति के लिए नहीं ”**

याद रखें, कि पृथ्वी हमारी अपनी निजी संपत्ति नहीं है न ही पूर्वजों की देन है। हर एक व्यक्ति का यह उत्तरदायित्व है कि हम इस पृथ्वी को पूरी पवित्रता के साथ आनेवाली पीढ़ी को सौंपें।

**खुशी की एक पहली शर्त यह है कि मनुष्य और
प्रकृति के बीच का जुड़ाव न टूटे।**

राजभाषा अनुभाग की गतिविधियाँ



प्रधान कार्यालय / चेन्नै में दि.16.06.2023 को आयोजित अंतर रेल हिन्दी नाट्योत्सव में पालक्काड मंडल के नाटक दल ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लिए कुल 7 दलों में से पालक्काड मंडल के नाटक को श्रेष्ठ नाटक के रूप में पुरस्कृत किया गया। यह नाटक दल अखिल रेल हिन्दी नाट्योत्सव में दक्षिण रेलवे का प्रतिनिधित्व करेगा।



मंडल रेल प्रबंधक, श्री यशपाल सिंह तोमर द्वारा दि.12.05.2023 को सम्पन्न मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के दौरान त्रैमासिक हिन्दी ई-पत्रिका "रेल कैरली" मार्च 2023 अंक का विमोचन किया गया।



इस तिमाही के दौरान बहुविभागीय मंडल प्रशिक्षण केंद्र, कोल्लिकोड, मंगलूर स्टेशन, कण्णूर और घोर्णूर स्टेशन आदि में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं में कुल 5 अधिकारी और 65 कर्मचारी प्रशिक्षित हुए।

मंडल की अन्य गतिविधियाँ



कोल्लिकोट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और तिरुवनंतपुरम सेंट्रल और षोर्णूर जंक्शन के बीच सेक्शनल गति बढ़ाने के कार्य का आधारशिला स्थापन माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दि.25/04/2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।



वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन दि.25/04/2023 को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस सिलसिले में षोर्णूर जंक्शन, तिरूर, कोल्लिकोट, तलशेरी, कण्णूर, पय्यन्नूर और कासरगोड रेलवे स्टेशन आदि पर गाड़ी के लिए भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।



मंगलूर जं. डिपो में रात के दौरान मालगाड़ियों की जांच के लिए पर्याप्त रोशनी की समस्या का सामना करना पड़ा क्योंकि मंगलूर जं. के यार्ड में बोगी स्तर की रोशनी का कोई प्रावधान नहीं था। इसलिए बोगी स्तर पर प्रकाश की व्यवस्था के लिए, डिपो ने ट्रॉली पर स्थापित एक पोर्टेबल चार्जबल लाइट विकसित किया, जिसे ट्रॉली पथ के साथ ले जाया जा सकता है।



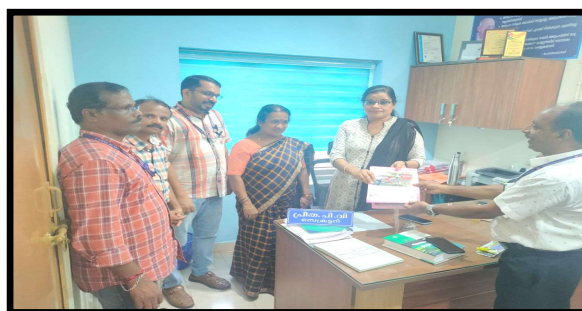
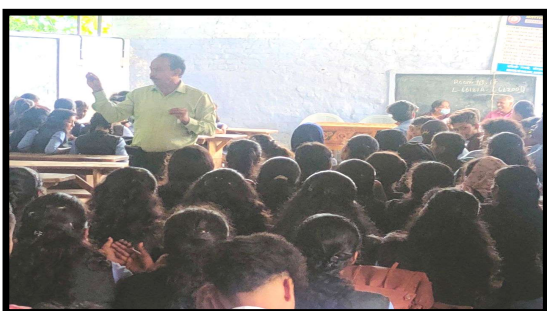
महाप्रबंधक/द.रे ने दि.22/06/2023 को पालक्काड मंडल का दौरा किया और पोत्तनूर जं.-षोर्णूर सेक्शन में ट्रैक और चल रहे इंजीनियरिंग कार्यों का निरीक्षण किया।



वॉकथॉन - अपर मंडल रेल प्रबंधक/1 ने रेल सुरक्षा बल, मोटर वाहन निरीक्षक/सडक परिवहन कार्यालय, प्रवर्तन और केरल पुलिस की उपस्थिति में 15/06/2023 को पालक्काड जंक्शन से कॉमनवेल्थ समपार फाटक (समपार सं. 52) तक वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाई। इस साल "पटरियाँ, रेलगाड़ियों के लिए हैं" थीम पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।



पालक्काड के विभिन्न समपारों पर मोटर वाहन निरीक्षक/सडक परिवहन कार्यालय, प्रवर्तन, स्थानीय पुलिस और रेल सुरक्षा बल द्वारा संयुक्त रूप से विशेष जांच/संरक्षा अभियान चलाया गया।



पालक्काड के विभिन्न स्कूलों/कॉलेजों और ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और समपार फाटक पर सुरक्षित यात्रा की आवश्यकता को लेकर नोटिसों का वितरण भी किया गया।